राज्यों का राजकोष: राजस्व घाटा बढ़ा, घोषित योजनाओं की बढ़ती ज़रूरत

PCSMANTRA टीम | करेंट अफेयर्स | 28 नवंबर 2026

क्यों चर्चा में? 27 नवंबर 2026 को प्रकाशित विश्लेषण (28 राज्यों के 2026-27 के बजट और मौजूदा वित्तीय अनुमानों पर आधारित) में पाया गया कि कई राज्य अपने राजस्व खाते में घाटे की ओर बढ़ रहे हैं, जबकि आय (राजस्व) खर्च से धीमी गति से बढ़ रही है। 28 राज्यों ने 2026-27 में अपने जीएसडीपी के 0.2% का संयुक्त राजस्व घाटा बजट किया है, जबकि 2025-26 का संशोधित अनुमान 0.7% था। संयुक्त राजकोषीय घाटा 3.2% जीएसडीपी बजट किया गया है, जबकि 16वें वित्त आयोग के विवेकपूर्ण मानदंडों (prudential norms) के अनुसार किसी राज्य का राजकोषीय घाटा उसके जीएसडीपी के 3% से अधिक नहीं होना चाहिए।

पृष्ठभूमि

राजस्व घाटा तब होता है जब किसी राज्य का राजस्व व्यय (वेतन, ब्याज, पेंशन, अनुदान) उसकी राजस्व प्राप्तियों से अधिक हो जाता है। इसका अर्थ है कि कुछ नियमित खर्च उधार से चलाए जा रहे हैं, जो आगामी पीढ़ियों का बोझ बढ़ाता है। राजकोषीय घाटा वह कुल राशि है जिसे राज्य को अपने कुल खर्च के लिए उधार लेना पड़ता है। 28 राज्यों का संयुक्त खर्च 2026-27 में 68.8 लाख करोड़ रुपये बजट किया गया है, जो केंद्र के कुल खर्च (42.5 लाख करोड़) से करीब 62% अधिक है। इतनी बड़ी राशि के कारण राज्यों का राजकोषीय स्वास्थ्य देश की मैक्रो-आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है।

मुख्य बिंदु

- **राजस्व घाटे की स्थिति:** 28 राज्यों में से 10 ने लगातार 2024-25, 2025-26 (संशोधित) और 2026-27 (बजट) में राजस्व घाटा दिखाया है। पाँच राज्य (जिनमें छत्तीसगढ़, कर्नाटक और तेलंगाना शामिल हैं) 2024-25 में राजस्व अधिशेष से 2026-27 में घाटे में चले गए।
- **राजकोषीय घाटे की स्थिति:** 2025-26 में 28 राज्यों का संयुक्त राजकोषीय घाटा 3.8% जीएसडीपी रहा (संशोधित अनुमान) और 2026-27 में 3.2% बजट किया गया है। वर्ष 2025-26 में 20 राज्यों ने अपना राजकोषीय घाटा बजट अनुमान से ज़्यादा दिखाया।
- **खर्च की बढ़त:** राज्यों का राजस्व व्यय 2026-27 में 8.8% बढ़ने का अनुमान है, जबकि राजस्व प्राप्तियाँ केवल 7.4% बढ़ेंगी। वेतन में लगभग 9% और ब्याज भुगतान में लगभग 10% की वृद्धि अनुमानित है।
- **प्रतिबद्ध खर्च का दबाव:** कई राज्यों में कुल आय का 40% से अधिक हिस्सा वेतन, ब्याज और पेंशन में जाता है। इससे घोषित योजनाएँ (जैसे नकद अंतरण और निःशुल्क सब्सिडी) के लिए विकास-खर्च (पूंजीगत व्यय) सिकुड़ जाता है।
- **केंद्रीय अनुदान में कमी:** केंद्रीय अनुदान 2026-27 में लगभग 10% घटने का अनुमान है, क्योंकि (क) जीएसटी क्षतिपूर्ति अनुदान खत्म हो गया, (ख) राज्य क्षेत्र के लिए केंद्र प्रायोजित योजनाओं में कटौती हुई, और (ग) वित्त आयोग के अनुदानों की संरचना बदली।
- **विकास-खर्च की चुनौती:** राज्य अपने बजट में पूंजीगत व्यय (अवसंरचना) बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, परंतु प्रतिबद्ध खर्च (वेतन-ब्याज-पेंशन) और घोषित योजनाओं के बीच विकास-खर्च के लिए स्थान सीमित है।

महत्व और चुनौतियाँ

महत्व: राज्य भारत में विकास-खर्च का बड़ा हिस्सा करते हैं (कुल खर्च में केंद्र से अधिक), इसलिए उनका राजकोषीय स्वास्थ्य राष्ट्रीय आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। राजस्व घाटा लगातार बढ़ना उधारी की लागत बढ़ाता है और आगामी पीढ़ियों पर बोझ डालता है। राज्यों के राजकोषीय नियमों (FRBM) का पालन और 16वें वित्त आयोग के विवेकपूर्ण मानदंड (3% जीएसडीपी) के भीतर रहना आवश्यक है। **चुनौतियाँ:** पहली, घोषित योजनाओं (नकद अंतरण, निःशुल्क सब्सिडी) का विस्तार विकास-खर्च को सीमित करता है, जिससे भविष्य

की आय-क्षमता घटती है। दूसरी, केंद्रीय अनुदान में कटौती से राज्यों का राजस्व दबाव बढ़ता है। तीसरी, राज्यों के राजकोषीय नियमों को लागू करना और उधारी की लागत (ब्याज दर) नियंत्रित करना कठिन है, खासकर जब केंद्रीय बैंक की नीति दरें बदलती हैं। चौथी, राज्यों के बीच असमानता: कुछ राज्य (जैसे तमिलनाडु, कर्नाटक) अधिक उद्योग-आधारित हैं, जबकि कई (जैसे बिहार, झारखंड) केंद्रीय हस्तांतरण पर अधिक निर्भर हैं।

परीक्षा के लिए मुख्य तथ्य

बिंदु	तथ्य
संयुक्त राज्य खर्च 2026-27	68.8 लाख करोड़ रुपये (केंद्र से 62% अधिक)
संयुक्त राजस्व घाटा 2026-27 (BE)	0.2% जीएसडीपी
संयुक्त राजस्व घाटा 2025-26 (RE)	0.7% जीएसडीपी
संयुक्त राजकोषीय घाटा 2026-27 (BE)	3.2% जीएसडीपी
16वें वित्त आयोग के विवेकपूर्ण मानदंड	राज्य का राजकोषीय घाटा 3% जीएसडीपी से अधिक न हो
10 राज्यों में लगातार राजस्व घाटा	2024-25, 2025-26 (RE), 2026-27 (BE)
प्रतिबद्ध खर्च	कई राज्यों में आय का 40% से अधिक (वेतन-ब्याज-पेंशन)
केंद्रीय अनुदान	2026-27 में लगभग 10% कमी अनुमानित

अभ्यास प्रश्न (प्रिलिम्स)

प्रश्न: राज्यों के राजकोषीय प्रबंधन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: 1. राजस्व घाटा तब होता है जब राज्य का राजस्व व्यय उसकी राजस्व प्राप्तियों से अधिक हो जाता है। 2. राजकोषीय घाटा वह कुल राशि है जिसे राज्य को अपने कुल खर्च के लिए उधार लेना पड़ता है। 3. 16वें वित्त आयोग ने राज्यों के लिए राजस्व घाटे का लक्ष्य निर्धारित किया है।

कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (a)

कथन 1 सही है: राजस्व घाटा का अर्थ है राजस्व व्यय > राजस्व प्राप्तियाँ, जो नियमित खर्च के लिए उधारी को दर्शाता है।

कथन 2 सही है: राजकोषीय घाटा कुल उधारी की ज़रूरत है, जिसमें राजस्व घाटा और पूंजीगत व्यय के लिए उधारी दोनों शामिल हैं।

कथन 3 ग़लत है: 16वें वित्त आयोग ने राजकोषीय घाटे के लिए 3% जीएसडीपी का विवेकपूर्ण मानदंड तो रखा है, परंतु राजस्व घाटे का कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया है।

मेंस प्रश्न (GS-III, 15 अंक)

"राज्यों के राजकोषीय स्वास्थ्य में गिरावट राष्ट्रीय आर्थिक विकास के लिए चिंता का विषय है।" हालिया विश्लेषण के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में:

28 राज्यों के 2026-27 बजट के विश्लेषण का सार दें: राजस्व घाटा 0.2%, राजकोषीय घाटा 3.2% जीएसडीपी।

मुख्य भाग में:

राजस्व घाटे के कारण (वेतन-ब्याज-पेंशन में वृद्धि, केंद्रीय अनुदान में कमी, घोषित योजनाओं का विस्तार) और परिणाम (विकास-खर्च में कमी, उधारी बढ़ना) का विश्लेषण करें। राज्यों के राजकोषीय नियमों (FRBM) और 16वें वित्त आयोग के 3% मानदंड का महत्व रखें।

निष्कर्ष में:

संतुलित राजकोषीय प्रबंधन और विकास-खर्च के लिए स्थान बनाने की आवश्यकता पर जोर दें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

प्रश्न 1: राजस्व घाटा और राजकोषीय घाटा में क्या अंतर है?
उत्तर: राजस्व घाटा केवल राजस्व खाते का घाटा है (वेतन-ब्याज-पेंशन जैसे नियमित खर्च के लिए), जबकि राजकोषीय घाटा कुल उधारी है, जिसमें राजस्व घाटा और पूंजीगत व्यय के लिए उधारी दोनों शामिल हैं।

प्रश्न 2: क्या राज्यों का खर्च केंद्र से अधिक है?
उत्तर: हाँ। 28 राज्यों का संयुक्त खर्च 2026-27 में 68.8 लाख करोड़ रुपये बजट किया गया है, जो केंद्र के कुल खर्च (42.5 लाख करोड़) से करीब 62% अधिक है।

स्रोत

- The Indian Express: State finances: Revenue deficit widens, committed expenditure rises (27 नवंबर 2026)
- PRS Legislative Research: State of State Finances 2026-27

यह लेख PCS Mantra की संपादकीय टीम ने उपर्युक्त स्रोतों के आधार पर अपने शब्दों में लिखा है। परीक्षा से पहले आधिकारिक अधिसूचनाएँ ज़रूर जाँच लें। कवर इमेज प्रतीकात्मक है। © pcsmantra.in